

संपादक की कलम से

सरकार की योजनाओं और उपलब्धियों की तारीफ

देवानंद सिंह



राष्ट्रपति ने भारत की बढ़ती अर्थव्यवस्था पर भी जोर दिया और यह विश्वास व्यक्त किया कि भारत जल्द ही दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनेगा। सरकार ने डिजिटल ढांचे और बैंकिंग सुविधाओं में सुधार के लिए कई कदम उठाए हैं, जिससे अब दुर्दराज के इलाकों में भी लोग वित्तीय सेवाओं से जुड़ पाए रहे हैं। पीएम स्वनिधि योजना जैसी योजनाओं के जरिए छोटे व्यापारियों और रेहड़ी-पटरी वालों को मुख्यधारा की अर्थव्यवस्था से जोड़ने की दिशा में महत्वपूर्ण प्रयास किए जा रहे हैं। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) और डिजिटल पेमेंट सिस्टम के क्षेत्र में भारत का योगदान तेजी से बढ़ रहा है, और हाईडिया एआई मिशन है जैसी योजनाओं के माध्यम से भारत को एक वैश्विक नेता बनाने का लक्ष्य है। यह कदम न केवल भारत की डिजिटल ताकत को बढ़ा रहे हैं, बल्कि इसे वैश्विक स्तर पर एक प्रमुख खिलाड़ी के रूप में स्थापित कर रहे हैं।

म भा सकर का याजनाआ क
उल्लेख किया। विशेष रूप से
उधमपुर-श्रीनगर-बारामूला रेल
लिंक परियोजना का हवाला देते
हुए उन्होंने बताया कि इस
परियोजना के पूरा होने से कश्मीर
और कन्याकुमारी के बीच रेल
कनेक्टिविटी स्थापित होगी, जो न
केवल कनेक्टिविटी में सुधार
लाएगी, बल्कि स्थानीय आर्थिक
गतिविधियों को भी बढ़ावा देगी।
इसके साथ ही, सरकार साइबर
सुरक्षा को भी प्राथमिकता दे रही
है, ताकि डिजिटल सेवाएं सुरक्षित
और प्रभावी तरीके से नागरिकों
तक पहुंच सकें।

वर्गों के कल्याण के लिए सरकार द्वारा उठाए गए कदमों का उल्लेख किया। खासकर, दलित, अदिवासी और अन्य चंचित वर्गों के लिए प्रधानमंत्री सूरज योजना और पीएम स्वनिधि योजना जैसी पहलें, जो सफाई कर्मचारियों और छोटे व्यापारियों को वित्तीय सहायता प्रदान कर रही हैं, समाज के इस वर्ग के लिए अभूतपूर्व बदलाव का संकेत है। इन योजनाओं से यह साबित होता है कि सरकार ने समाज के सभी वर्गों के कल्याण को अपनी प्राथमिकता बनाते हुए समावेशी विकास की दिशा में काम किया है।

कुल मिलाकर, राष्ट्रपति द्वापदी मुर्मू का अभिभाषण सरकार की नीतियों और योजनाओं का संपूर्ण चित्र प्रस्तुत करता है, जो न केवल सामाजिक और आर्थिक विकास की दिशा में कार्य कर रही हैं, बल्कि समाज के दूर वर्गों की

महिलाओं, किसानों, आदिवासियों और वीचत समुदायों के कल्याण को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए, सरकार ने डिजिटल तकनीक, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और इंफ्रास्ट्रक्चर के क्षेत्रों में भी महत्वपूर्ण सुधार किए हैं। इन योजनाओं का उद्देश्य भारत को न केवल एक मजबूत और आत्मनिर्भर राष्ट्र बनाना है, बल्कि इसे वैश्विक मंच पर एक शक्तिशाली और सम्मानित शक्ति

1



केंद्रीय वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण 1 फरवरी को लगातार अपना आठवां बजट पेश करेंगे। यह केंद्रीय बजट प्रधानमंत्री नंदेंद्र मोदी की राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन सरकार का अपने तीसरे कार्यकाल का दूसरा पूर्ण वित्तीय बजट होगा। इस बार के बजट से हर सेक्टर की बड़ी उम्मीदें टिकी हुई हैं, इस बजट की घोषणाओं से भविष्य में राष्ट्र किन दिशाओं में आगे बढ़ेगा, उसकी मंशा एवं दिशा अवश्य स्पष्ट होगी। टैक्सपेयर्स भी इस बार वित्तमंत्री से इनकम टैक्स में राहत देने की उम्मीद कर रहा है। मिडिल-क्लास और वेतनभेगियों को भी राहत की उम्मीद है। वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण की एक मौलिक सोच एवं दृष्टि से यह बजट दुनिया में भारतीय अर्थव्यवस्था को एक चमकते सितारे के रूप में स्थापित करने एवं सुदृढ़ आर्थिक विकास के लिये आगे की राह दिखाने वाला होगा। संभावना है कि इस बजट में समावेशी विकास, वंचितों को करीयता, बुनियादी ढांचे में निवेश, क्षमता विस्तार, हरित विकास, महिलाओं एवं युवाओं की भागीदारी, मोदी की गारंटीयों पर बल दिया जायेगा। इंफ्रास्ट्रक्चर, मैन्युफैक्चरिंग, डिजिटल और सामाजिक विकास की दृष्टि से देश को आत्मनिर्भर बनाने की रफ्तार

को भी गति दी जायेगी। यह बजट देश को न केवल विकसित देशों में बल्कि इसकी अर्थव्यवस्था को विश्व स्तर पर तीसरे स्थान दिलाने के संकल्प को बल देने में सहायक बनेगा।
आम आदमी बढ़ती महंगाई,

जान आदना बढ़ता नहीं नहीं, वेरोजगारी और घटती खफत के बीच कुछ राहत की उम्मीद लगा रहा है। बजट, शिक्षा, रक्षा, उद्योग, महिलाओं और गरीब वर्गों के लिए सुधारों और प्रोत्साहनों का खाका तैयार करेगा। वित्त मंत्री से उम्मीद की जा रही है कि वे आयकर स्लैब में बदलाव करेंगी, जिससे वेतनभोगियों एवं करदाताओं को राहत मिलेगी। इस समय वेतनभोगी एवं करदाता की 15 लाख रुपये से अधिक की आमदनी पर 30 प्रतिशत टैक्स लगता है। सरकार 10 लाख रुपये तक की आय को पूरी तरह टैक्स-फ्री करने और 15 से 20 लाख रुपये की आमदनी पर 25 प्रतिशत का नया टैक्स स्लैब लाने पर विचार कर रही है। इससे मध्यम वर्ग के लोगों की खर्च करने की क्षमता बढ़ेगी, जो अर्थव्यवस्था को प्रोत्साहित करेगा। केंद्र सरकार बजट सत्र 2025 में नया आयकर कानून पेश करने की योजना बना रही है, जो करदाताओं को लाभान्वित करेगा और कर प्रणाली को सरल बनाएगा। इसके अलावा, सरकार इस बार के बजट में शेयर से होने वाली कमाई पर टैक्स लगाने का प्रावधान कर सकती है। इसमें शेयरों से मिलने वाले लाभांश, ब्याज से होने वाली कमाई और पूँजीगत लाभ पर भी टैक्स लगाया जा सकता है।

यह बजट न केवल देश की आर्थिक स्थिति को सुदृढ़ करेगा, बल्कि सामाजिक और तकनीकी विकास की दिशा में भारत को नई ऊँचाइयों पर ले जाएगा। बढ़ती महंगाई पर नियंत्रण की भी



संभवनाएं हैं। इस बजट से विभिन्न क्षेत्रों में कई महत्वपूर्ण घोषणाओं की उम्मीद है, जो अर्थव्यवस्था को रफ्तार देने और आम जनता को राहत प्रदान करने के उद्देश्य से की जा सकती हैं। आम आदमी के लिए सबसे पीड़ितावाक टैक्स का बोझ है। हालांकि वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) जैसे टैक्स का फैसला समय-समय पर जीएसटी काउंसिल में लिया जाता है, लेकिन सरकार से उम्मीद की जाती है कि वो इन शुल्कों को और तर्कसंगत बनाकर आम लोगों को कुछ राहत दे। अर्थव्यवस्था की रफ्तार धीमी पड़ने के कारण निवेशकों में घबराहट है और इसने रोजगार के अवसरों को भी कम किया है जबकि महंगाई के हिसाब से मजदूरी और वेतन में बढ़ोतारी नहीं होने से खासकर सीमित आमदनी वाले परिवारों को मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है। पिछली तिमाहियों में कंपनियों के निराशाजनक प्रदर्शन ने भी इन हालात को मुश्किल बनाया है। जिससे नौकरी चाहने वाले युवाओं को पर्याप्त संख्या में रोजगार नहीं मिल पा रहा है। इन सारे कारकों के कारण मध्य वर्ग ने अपने खर्चों में कटौती की है जिससे पिछले कुछ महीनों में उपभोग में गिरावट आई है। इन परेशानियों एवं चिन्ताओं को कम करने में इस बार का बजट राहतभरा होने की उम्मीद है।

बजट में विभिन्न उद्योगों विशेषकर सूक्ष्म, लघु और मध्य उद्यमों (एमएसएपई) के लिए प्रोत्साहन योजनाओं की घोषणा रोजगार सृजन और आर्थिक विकास को बढ़ावा मिलेगा। सड़कों, रेल, बदरगाहों और हवाई अड्डों के विकास के लिए बड़े पैमाने पर निवेश की योजना बनाया जा सकती है, जिससे लॉजिस्टिक्स में सुधार होगा और व्यापार के बढ़ावा मिलेगा। स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच बढ़ाने और शिक्षा वेतन स्तर में सुधार के लिए बजट विशेष प्रावधान किए जा सकते हैं। जिससे मानव संसाधन का विकास हो सके। महिलाओं के लिए विशेष योजनाओं की घोषणा की जायी है, डिजिटल बुनियादी ढांचों को मजबूत करने और डिजिटल लेन-देन को बढ़ावा देने के लिए नई योजनाएं लाई जा सकती हैं। उच्च शिक्षा और अनुसंधान संस्थानों के लिए अतिरिक्त अनुदान दिया जा सकता है। विज्ञान, प्रौद्योगिकी, और चिकित्सा के क्षेत्र में इनोवेशन को प्रोत्साहित करने के लिए नई योजनाएं लाया जा सकती हैं। ह्लेमेक इन इंडियाना पहल के तहत स्वदेशी हथियार निर्माण को प्रोत्साहित किया जाएगा। साइबर खतरों से निपटने के लिए रक्षा बजट का एक हिस्सा डिजिटल सुरक्षा पर केंद्रित हो सकता है। बुलेट ट्रेन परियोजनाओं और रेल नेटवर्क के आधुनिकीकरण को गति

मार्गिक नौतंकता को दोमक सरीखा चाट रहा एकल परिवारों का चलन
के माध्यम से मजबूत होते थे। मल्यों को बढ़ावा देते हैं जो बढ़ते जौर ने मल्यों को विकसित की हानि के कारण गलत हो जाता है। इसलिए यह पश्चिमी देशों

प्रधका सारम



एकल परिवारों के बढ़ते प्रभाव ने, जिसमें माता-पिता और बच्चों के छोटे परिवार शामिल हैं, अपने स्वयं के परिवार के समूह को काफी प्रेरित किया है, विशेष रूप से मूल्यों को विकसित करने में इसके पारंपरिक कार्य को। शहरीकरण, वित्तीय दबावों और व्यक्तिगती जीवन शैली के माध्यम से प्रेरित इस बदलाव ने मूल्यों को हस्तांतरित करने के तरीके को बदल दिया है। जबकि एकल परिवार स्वतंत्रता और निजी विकास की अनुमति देते हैं, इसके अलावा उन्हें सांस्कृतिक, नैतिक और नैतिक मूल्यों को प्रसारित करने में चुनौतियों का सामना करना पड़ता है जो प्रदले

मूल्यों को बढ़ावा देते हैं, वर्तमान सामाजिक मांगों के सारे खित होते हैं। जॉन स्ट्रुट्स मिल ने व्यक्तिगत स्वतंत्रता 3 आत्मनिर्भरता को व्यक्तिगत 3 सामाजिक प्रगति के लिए आवश्यक गुणों के रूप में महसूस किया, जिसे एकल परिवार प्रभाव रूप से बताया है। एकल परिवार अक्सर अपने परिवार की जरूरतों को प्राथमिकता देते हैं, जिससे निस्सदैह सामूहिक मूल्यों जैसे साझा करना, त्याग करना 3 आपसी सहायता के प्रति जागरूकता कम हो जाती है, संयुक्त परिवार व्यवस्था के लिए आवश्यक थे। त्यौहार, जो कि संयुक्त परिवारों में नेटवर्क 3 सांस्कृतिक बधान को मजबूत करते थे, अब एकांत में मन जाने लगे हैं। जबकि पारंपरिक व्यवस्थाएँ कमजोर होती जा रही हैं, एकल परिवार शिक्षा के लिए स्कूलों, साथियों के समूहों 3 आभासी प्रणालियों पर अधिक अधिक निर्भर होते जा रहे हैं। हालांकि, निजी सलाह की कमी नैतिक विकास में भी कमी सकती है। एकल परिवारों में, जो अधिक पदों के मॉडल 3 अनुपस्थिति बच्चों की कई गुणों को देखने और उनका अध्ययन करने की क्षमता को भी समिति देती है।

बढ़ते जोर ने मूल्यों को विकसित करने में परिवार की स्थिति का नया रूप दिया है। स्वतंत्रता और आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देते हुए यह अक्सर विस्तारित परिवान द्वारा प्रदान की गई सामूहिक जानकारी और सांस्कृतिक परंपराओं के प्रति जागरूकता को कम करता है। इस अंतर का पाटने के लिए, एकल परिवारों का सुखद पालन-पोषण, नेटवर्क कनेक्शन को बढ़ावा देने और जिम्मेदारी से आधुनिक उपकरण का लाभ उठाने पर जोर देते हुए सचेत रूप से अनुकूलन करना चाहिए। जैसा कि कन्प्यशियस ने कहा, शरण्य की ऊँज़ा घर का अखंडता से प्राप्त होती है, इस बात पर प्रकाश डालते हुए विपरिवार, चाहे किसी भी संरचना में हों, नैतिक नागरिकों को आकर्षित देने के लिए मूल्यवान बने रहते हैं। एकल परिवार-परिवार प्राइमेंट मानव समाज की एक झैविक घटना है। यह मानव विकास वे विकासवादी संग्रह में एक अनुकूली रूप नहीं है और न ही आर्थिक समाज की एक उपयोगी चीज़ है। बल्कि यह मानव समाज और सामाजिक स्थान में लगभग प्रथागत है। इसका केंद्रक पति-पत्नी और माता-पिता-बच्चों की एक इकाई है। इसका सामन्य रूप

की हानि के कारण गलत हो जाता है, लेकिन इसका मॉडल रूप अधिकतम स्थिर होता है। सभी परिस्थितियों में परिवार के भीतर पति या पत्नी के बुजुर्मा माता-पिता और कभी-कभी अतिरिक्त दूरस्थ परिवार होने की प्रवृत्ति होती है, हालांकि वे अर्ध-बाहरी कारक किसी अन्य कारण से नहीं बल्कि आवश्यकता और पितृभक्ति से अधिक होते हैं। अलग-अलग सामाजिक परिस्थितियों में एकल परिवार इकुलों⁴, जातियों, गांवों और सार्वजनिक विनियमन के माध्यम से विभिन्न तरीकों का उपयोग करके बाहरी समाज में एकजुट होते हैं।

पश्चिमी समाज में परमाणु इकाई नैतिक प्रबंधन के लिए आध्यात्मिक नौकरशाही और शासन उद्देश्यों के लिए नागरिक विनियमन के लिए अधिक से अधिक कठिनाई बन गई है। रिश्टेदारों ने, प्रियजनों के अलावा, शक्ति खो दी है। इसने अपने स्वयं के परिवार को अत्यधिक नैतिकता के अपने पूर्व राज्य की तुलना में अधिक इत्थात्मकर बना दिया है। परिणामस्वरूप परमाणु परिवार कमज़ोर हो गया है क्योंकि यह काफी हद तक धर्म का संगठन है और अब मुकदमेबाजी और सार्वजनिक विनियमन की सहायता है। इसलिए यह पश्चिमी देशों में ठीक से नहीं चल रहा है, जिससे मौलिक प्राइमेट मूल्यों को आम तौर पर नुकसान होता है। यह परिवार निगमों के सुधार की ओर ले जाता है जो ईसहज़ नैतिक दबावों को फिर से तस्वीर में लाते हैं। परमाणु परिवार के परिवार का भाग्य, जिसे यहाँ ईप्रतिक्रियाई रूप से बढ़ाया जाता है, संभवतः अगली पीढ़ी में रिश्टेदारों की सहायता से बढ़ती सहायता में से एक होगा। सामाजिक ढांचे में इतना अधिक परिवर्तन आ चुका है कि अब लिप्य इन रिलेशनशिप और वैवाहिक मामलों में थोड़ा बहुत ही अंतर रह गया होगा जिसके परिणामस्वरूप महिलाएं और पुरुष वैवाहिक संबंधों में रुचि ना लेकर एकल रहने को वरीयता देने लगे हैं। गलती इसमें किसी भी परिजन कि ना होकर पश्चिमी मूल्यों को तरजीह दिए जाने की है। हम हिन्दुस्तानी अब जिम्मेदारियों को निभाने की तुलना में उस से अलग हो जाना बेहतर समझने लगे हैं।

अब पश्चिम में अपने ही परिवार के लोग कई पीढ़ियों के छोटे अंतराल पर चक्रीय रूप से स्थानांतरित होने की प्रवृत्ति रखते हैं। 55, 000 परिवारों का एक अध्ययन इस सुझाए गए उलटफेर को दर्शाता है।

डॉ सुधानंद झा ज्योतिषी द्वारा प्रस्तुत दैनिक राशिफल

9



मेष राशि-- सुखद अनुभव होगा
आज
उच्च कोटि की सफलता मिलेगी
आज आपको। आपको रोजगार में
और व्यव बसासाय में नौकरी में
साथ ही साथ अब जहाँ भी अपना
भाग्य आज भर रहे हैं हर जगह

आज आपको सफलता मिलेगी
आपको प्रभाव बढ़ेगा
२ वृष्टि राशि --आपके रोजगार पर
शुभ ग्रह का प्रत्यक्ष प्रभाव है आज
आप कोई ऐसा काम नहीं करेंगे
जहां लोग आपको ठग सके।
सफलता के लिए आज का दिन
बहुत महत्वपूर्ण है

३ मिथुन राशि --सफलता के
दृष्टिकोण से मिथुन राशि वालों के
लिए आज का दिन पूर्णता
मंगलमय है हर प्रकार से सफलता
मिलेगी आपको यदि आप शिक्षा
विभाग खेलकूद और प्रशासन से
जुड़े हुए हैं तो आज का दिन बहुत
सुंदर है

४ कर्क राशि --आज का दिन हर
प्रकार से मंगलमय है आपका
अपना कार्य अपना व्यक्तित्व

अपना अच्छा स्वभाव अ
आपको खूब साथ देगा थोड़ा
आप जिद्दी स्वभाव पर नियंत्र
कीजिएगा

५ सिंह राशि -आज आप अ
काम की प्राथमिकता दीजिए अ
अपनी चंचलता पर नियंत्र
कीजिए और सबसे पहले अ
आप अपना आत्म बल बढ़
अपने आप पर नियंत्रण कीजिए
आपके अंदर में कहीं भी कमज़ो
है दुर्बलता है या आपको लगता
कि मैं अच्छा नहीं कर सकता
तो यह गलत है आज आप सब
अच्छा काम करेंगे

६ कन्या राशि -अपने स्वास्थ्य
ध्यान दीजिए अगर आपको न
की समस्या है पेट की समस्या
पेशाब में जलन की समस्या है

आज आप अपने स्वास्थ्य पर
ध्यान रखें अपने कार्य की गति को
आगे बढ़ाइए।

७ तुला राशि --व्यवसाय और
अर्थ उपार्जन पार्जन के लिए बहुत
सुंदर दिन है। यदि आप बौद्धिक
काम करते हैं या जमीन मकान
किराना दुकान छोटे-छोटे गृह
उद्योग या कल कारखाने का काम
करते हैं तो आज का दिन आपके
लिए बहुत सुंदर है।

८ वृश्चिक राशि --हर प्रकार के
सुंदर दिन है आज आपका आपके
अपने दिखाए वाले स्वभाव पर
नियंत्रण करना होगा और हर बात
में आक्रामक तेवर ठीक नहीं है।
थोड़ा सा मीठा बनिए सरस बलि
अपने स्वभाव पर नियंत्रण
रखियेगा।

९ धनु राशि --आपकी राशि पर आज तीन-तीन शुभ ग्रह का प्रभाव है यदि आप आज थोड़ा सा जागरूक होकर रहते हैं तो जैसे-जैसे दिन चढ़ता जाएगा आपकी असफलता सफलता में बदलती रहेगी आपकी आमदनी बढ़ती रहेगी

मकर राशि --आपकी राशि पर आज पुरुष ग्रह का प्रभाव है आपका दिन आज बहुत सुंदर भेजेगा आप जहाँ भी जाएंगे लोग आपको सम्मान के दृष्टि से देखेंगे आपको कार्य भार मिलेगा आप जहाँ ऑफिस में काम कर रहे हैं जहाँ आप अपने ऑफिस के हेड हैं अपने घर के हेड हैं तो आज थोड़ी सी सावधानी रखिएगा

११ कुम्भ राशि --आपका दिन आज आरंभ से ही अच्छा होगा सरनेम प्रभा ती सरनेम सफलता दिन का आरंभ अच्छी सफलता से अच्छी सूचना से दिन का अंत अच्छी सफलता अच्छी सूचना से इस बीच आप कहीं भी आक्रामक तेवर का प्रयोग भर कीजिएगा

१२ मीन राशि --आपकी राशि पर आज सुर्य भगवान का प्रत्यक्ष प्रभाव है आपका प्रताप बढ़ेगा आपके अंदर का आलस्य दूर होगा आज आपका अहंकार आज आपसे व्यवेशन दूर रहेगा आप जहाँ भी रहिए आपको अच्छे लोगों से परिचय होगा

डा सुधा नन्द झा ज्यौतिषी जमशेदपुर झारखण्ड मो एवं वाट्सअप नंबर 9430336503

सार-संक्षेप

कपाली पुलिस ने शब्बीर हत्याकांड मामले का किया खुलासा, पांच गिरफ्तार



राष्ट्र संवाद संवाददाता
सरायकेला- खरसावां जिला के कपाली ओपी अंतर्गत रामू चौक के समाज कल्याण, विद्यालय, जन वितरण प्रणाली के डॉलर आदि के माध्यम से बुहू दस्तर पर संदेश भी प्रसारित करवाया जाए। इसके साथ ही अवैध फसलों की खेती के विरुद्ध में सतत निगरानी खरें तथा प्रत्येक माह की जा रही कार्रवाई का प्रतिवेदन भी उपलब्ध करने का निर्देश दिया गया। इसके साथ ही मादक पदार्थ के फसल को विनष्ट करने तथा मादक पदार्थ की खेती में संलग्न लोगों को प्रखंड/व्याना स्तर पर विनिष्ठत कर आवश्यक कार्रवाई करने एवं कृत कार्रवाई से जिला कार्यालय

मेंNCORD(नार्को कार्डिनेशन सेंटर) की बैठक आहूत की गई। बैठक में संवैधानिक उपायुक्त के द्वारा वितरण की कार्रवाई से संबंधित प्रतिवेदन का अवलोकन किया गया। बैठक में मादक पदार्थ की खेती के लिए उपयोग की जा रही मैरमजस्ता आदि को चिन्हित कर वहां मौजूद मादक पदार्थ के फसल को विनष्ट करने तथा मादक पदार्थ की खेती में संलग्न लोगों को प्रखंड/व्याना स्तर पर विनिष्ठत कर आवश्यक कार्रवाई करने एवं कृत कार्रवाई से जिला कार्यालय

कार्यालय, जेएसएलपीएस, जिला समाज कल्याण, विद्यालय, जन वितरण प्रणाली के डॉलर आदि के माध्यम से बुहू दस्तर पर संदेश भी प्रसारित करवाया जाए। इसके साथ ही अवैध फसलों की खेती के विरुद्ध खेत्र में सतत निगरानी खरें तथा प्रत्येक माह की जा रही कार्रवाई का प्रतिवेदन भी उपलब्ध करने का निर्देश दिया गया। इसके साथ ही मादक पदार्थ के उपलब्ध को रोकने के लिए स्थानिक मानव संसाधन से समन्वय स्थापित कर संलग्न जमीन पर खेती-बाड़ी, पौधारोपण, बागवानी करने के लिए लोगों को भ्रेतर करने का कार्य भी प्राथमिकता के तौर पर किया जाए।

राष्ट्र संवाद संवाददाता
सरायकेला- खरसावां जिला के कपाली ओपी अंतर्गत रामू चौक के समाप्ति बीते मंगलवार को गोसंगर फुटबॉल मैदान निवासी शब्बीर आलम को कुछ युवकों ने चाकू मारकर घायल कर दिया था। जिसकी एमजीएम अस्पताल में इलाज के क्रम में मौत हो गई थी। उधर आक्रमणित परिजनों ने हत्यारों की गिरफ्तारी को खोला बुधवार को कपाली ओपी का घोरवाक कर जोरदार प्रश्न किया था। इगर घटना के 48 घंटे बाद ही पुलिस ने मामले से जुड़े पांच अपराध कर्मियों को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। पुलिस की गिरफ्त में आए अपराध कर्मियों में सलामत अंसारी उफ आवन, फरहान अली, गुलाम खान उर्फ तनी, इत्तमुल मलिलक और अरबाज खान उर्फ बाजु शामिल हैं। इसकी जानकारी शुक्रवार को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस कर चार्डिल सर्किल इंस्पेक्टर अजय कुमार तिवारी के लिए जारी किया गया था। इगर घटना के लिए स्थानिक मानव संसाधन से समन्वय स्थापित करते हुए कहा गया कि आपसमें खेती-बाड़ी, पौधारोपण, बागवानी करने के लिए लोगों को भ्रेतर करने का कार्य भी प्राथमिकता के तौर पर किया जाए।

एक्सआईटीई गम्हरिया में थर्ड लिंग जागरूकता

पर एक दिवसीय कार्यशाला आयोजित

राष्ट्र संवाद संवाददाता
गम्हरिया एक्सआईटीई कॉलेज गम्हरिया में समावेशित और समझ का बढ़ावा देने के लिए थर्ड जेंडर को समझना' विषय पर एक दिवसीय लिंग संवेदनशीलता कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस दैरान छात्र-छात्राओं को एलाजीबीटीवीप्पी पुलिस समुदाय द्वारा समाना किए जाने वाली चुनौतियों के बारे में जागरूकता बढ़ाने और विविधता के लिए समान को प्रोत्साहित करने के बाबत बताया गया। इगर घटना के लिए स्थानिक मानव संसाधन से संबंधित परिवारों की खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

सइक रुक्षा माह का समापन हो गया, वैसे भी जिले की समाप्ति हो गई।

सइक रुक्षा माह का समापन हो गया, वैसे भी जिले की समाप्ति हो गई।

सइक रुक्षा माह का समापन हो गया, वैसे भी जिले की समाप्ति हो गई।

सइक रुक्षा माह का समापन हो गया, वैसे भी जिले की समाप्ति हो गई।

सइक रुक्षा माह का समापन हो गया, वैसे भी जिले की समाप्ति हो गई।

सइक रुक्षा माह का समापन हो गया, वैसे भी जिले की समाप्ति हो गई।

सइक रुक्षा माह का समापन हो गया, वैसे भी जिले की समाप्ति हो गई।

सइक रुक्षा माह का समापन हो गया, वैसे भी जिले की समाप्ति हो गई।

सइक रुक्षा माह का समापन हो गया, वैसे भी जिले की समाप्ति हो गई।

सइक रुक्षा माह का समापन हो गया, वैसे भी जिले की समाप्ति हो गई।

सइक रुक्षा माह का समापन हो गया, वैसे भी जिले की समाप्ति हो गई।

सइक रुक्षा माह का समापन हो गया, वैसे भी जिले की समाप्ति हो गई।

सइक रुक्षा माह का समापन हो गया, वैसे भी जिले की समाप्ति हो गई।

सइक रुक्षा माह का समापन हो गया, वैसे भी जिले की समाप्ति हो गई।

सइक रुक्षा माह का समापन हो गया, वैसे भी जिले की समाप्ति हो गई।

सइक रुक्षा माह का समापन हो गया, वैसे भी जिले की समाप्ति हो गई।

सइक रुक्षा माह का समापन हो गया, वैसे भी जिले की समाप्ति हो गई।

सइक रुक्षा माह का समापन हो गया, वैसे भी जिले की समाप्ति हो गई।

सइक रुक्षा माह का समापन हो गया, वैसे भी जिले की समाप्ति हो गई।

सइक रुक्षा माह का समापन हो गया, वैसे भी जिले की समाप्ति हो गई।

सइक रुक्षा माह का समापन हो गया, वैसे भी जिले की समाप्ति हो गई।

सइक रुक्षा माह का समापन हो गया, वैसे भी जिले की समाप्ति हो गई।

सइक रुक्षा माह का समापन हो गया, वैसे भी जिले की समाप्ति हो गई।

सइक रुक्षा माह का समापन हो गया, वैसे भी जिले की समाप्ति हो गई।

सइक रुक्षा माह का समापन हो गया, वैसे भी जिले की समाप्ति हो गई।

सइक रुक्षा माह का समापन हो गया, वैसे भी जिले की समाप्ति हो गई।

सइक रुक्षा माह का समापन हो गया, वैसे भी जिले की समाप्ति हो गई।

सइक रुक्षा माह का समापन हो गया, वैसे भी जिले की समाप्ति हो गई।

सइक रुक्षा माह का समापन हो गया, वैसे भी जिले की समाप्ति हो गई।

सइक रुक्षा माह का समापन हो गया, वैसे भी जिले की समाप्ति हो गई।

सइक रुक्षा माह का समापन हो गया, वैसे भी जिले की समाप्ति हो गई।

सइक रुक्षा माह का समापन हो गया, वैसे भी जिले की समाप्ति हो गई।

सइक रुक्षा माह का समापन हो गया, वैसे भी जिले की समाप्ति हो गई।

सइक रुक्षा माह का समापन हो गया, वैसे भी जिले की समाप्ति हो गई।

सइक रुक्षा माह का समापन हो गया, वैसे भी जिले की समाप्ति हो गई।

सइक रुक्षा माह का समापन हो गया, वैसे भी जिले की समाप्ति हो गई।

सइक रुक्षा माह का समापन हो गया, वैसे भी जिले की समाप्ति हो गई।

सइक रुक्षा माह का समापन हो गया, वैसे भी जिले की समाप्ति हो गई।

सइक रुक्षा माह का समापन हो गया, वैसे भी जिले की समाप्ति हो गई।

सइक रुक्षा माह का समापन हो गया, वैसे भी जिले की समाप्ति हो गई।

सइक रुक्षा माह का समापन हो गया, वैसे भी जिले की समाप्ति हो गई।

सइक रुक्षा माह का समापन हो गया, वैसे भी जिले की समाप्ति हो गई।

सइक रुक्षा माह का समापन हो गया, वैसे भी जिले की समाप्ति हो गई।

सइक रुक्षा माह का समापन हो गया, वैसे भी जिले की समाप्ति हो गई।

सइक रुक्षा माह का समापन हो गया, वैसे भी जिले की समाप्ति हो गई।

सइक रुक्षा माह का समापन हो गया, वैसे भी जिले की समाप्ति हो गई।

सइक रुक्षा माह का समापन हो गया, वैसे भी जिले की समाप्ति हो गई।

सइक रुक्षा माह का समापन हो गया, वैसे भी जिले की समाप्ति हो गई।

सइक रुक्षा माह का समापन हो गया, वैसे भी जिले की समाप्ति हो गई।

